ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, बुधवार 12 मार्च 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 02

उदयपुर में होली का रंगारंग माहौल, शहर में उमंग और उत्साह का संचार



24 न्यूज अपडेट उदयपुर,। झीलों की नगरी उदयपुर में होली का रंगारंग माहौल बना हुआ है। बाजारों में चहल-पहल बढ़ गई है, रंग-गुलाल, पिचकारी और पारंपरिक होली सामग्री की दुकानों पर खरीदारी जोरों पर है। शहरवासी फागोत्सव, होली दहन और रंगोत्सव की तैयारियों में पूरी तरह से जुटे हुए हैं।

बाजारों में बढ़ी रौनक

घंटाघर, बापू बाजार, अश्विनी बाजार, सूरजपोल और हाथीपोल जैसे प्रमुख बाजारों में होली की रौनक देखते ही बन रही है। हर ओर रंग-बिरंगे गुलाल, प्राकृतिक रंग, पिचकारियों और पारंपरिक अबीर-गुलाल की बिक्री हो रही है। मिठाई की दुकानों पर भीड़ उमड़ रही है, खासकर गुजिया, घेवर, मावा कचौड़ी और अन्य पारंपरिक मिठाइयों की मांग बढ़ गई है।

इंस्टेंट होली बेचने वालों का लगा मेला

उदयपुर में सूरजपोल चौराहा, शिक्षा भवन चौराहा, घंटाघर, हाथीपोल सहित विभिन्न स्थानों और गली-चौराहों पर इंस्टेंट होली बेचने वालों का मेला सा लग गया है। यहाँ लोग अपनी पसंद के अनुसार होली की सामग्री खरीद रहे हैं। होली की रेंज 350 रुपये तक है, वहीं चारे की पूलियां और कंडे आदि की अलग से बिक्री हो रही है। गली-मोहल्लों में होली बनाने का काम शुरू हो गया है, जिससे पूरे शहर में उत्सव का माहौल बना हुआ है। फागोत्सव और होली दहन की तैयारियाँ पूरी शहर में विभिन्न समाजों और संगठनों द्वारा फागोत्सव के आयोजन किए जा रहे हैं, जहां पारंपरिक फाग गीत, नृत्य और गुलाल उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। शहर के प्रमुख स्थलों पर 24 मार्च को होली दहन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। श्रीनाथजी मंदिर, जगदीश मंदिर और अस्थल मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों में फाग महोत्सव का आयोजन होगा, जिसमें भक्तगण भजन-कीर्तन के साथ रंगों की होली खेलेंगे। 25 मार्च को रंग उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसमें लोक कलाकारों द्वारा पारंपरिक गैर, गेर और डांडिया नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे। शहर के कई स्थानों पर डीजे और संगीत समारोहों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पर्यटकों की भागीदारी भी देखने को मिलेगी।

पर्यटकों के लिए भी खास आकर्षण

उदयपुर में होली का जश्न देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक बड़ी संख्या में आ रहे हैं। सिटी पैलेस, बागोर की हवेली और फतेहसागर किनारे विशेष होली समारोह आयोजित किए जा रहे हैं, जहाँ पर्यटकों को राजस्थानी होली का पारंपरिक अनुभव मिलेगा।

पुलिस प्रशासन ने बढ़ाई सुरक्षा

शहर में होली के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल तैनात रहेगा और ट्रैफिक व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष प्लान तैयार किया गया है।



एयरटेल के बाद जियो की भी स्पेस-X से डील:देश में सैटेलाइट से इंटरनेट मिलेगा, मस्क की कंपनी के पास दुनिया का सबसे बड़ा नेटवर्क



24 न्यूज अपडेट

एयरटेल के बाद अब देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम सर्विस प्रोवाइडर रिलायंस जियो ने भी इलॉन मस्क की कंपनी स्टार लिंक के साथ सैटेलाइट इंटरनेट प्रोवाइड करने के लिए करार किया है।

कल यानी मंगलवार (11 मार्च) को टेलिकॉम कंपनी भारती एयरटेल ने अमेरिकी कंपनी के साथ करार किया था। एयरटेल ने कल स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है।

समझौते के तहत, स्पेसएक्स और एयरटेल बिजनेस, शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य सेवा केंद्रों और दूरदराज के क्षेत्रों में स्टारलिंक सर्विसेस देने के लिए मिलकर काम करेंगे। एयरटेल के मौजूदा नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर में स्टारलिंक टेक्नोलॉजी इंटीग्रेट करने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी।

स्टारलिंक 100 से ज्यादा देशों में सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट देती है। उसके पास पृथ्वी की निचली कक्षा में 7 हजार से ज्यादा सैटेलाइट का सबसे बड़ा सैटेलाइट नेटवर्क है। स्टारलिंक इंटरनेट के जरिए स्ट्रीमिंग, ऑनलाइन गेमिंग, वीडियो कॉल आसानी से किया जा सकता है।

स्टारलिंक का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह उन क्षेत्रों में इंटरनेट सर्विस दे सकता है जहां ट्रेडिशनल ब्रॉडबैंड प्रोवाइडर्स अपनी सर्विस नहीं दे सकते। इसमें ग्रामीण क्षेत्र, दूरदराज के स्थान और यहां तक कि प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित क्षेत्र भी शामिल हैं।

हमारे देश में दूर-दराज के कई इलाकों में इंटरनेट की पहुंच नहीं है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मार्च 2024 तक ग्रामीण टेली-डेंसिटी 59.1% थी। स्टारलिंक इन क्षेत्रों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है। दुर्गम इलाकों में ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल स्वास्थ्य सेवा बढ़ेगी।

जलती चिताएं, झूमते अघोरी, रंग-गुलाल नहीं, राख से खेली जाती है मसान होली



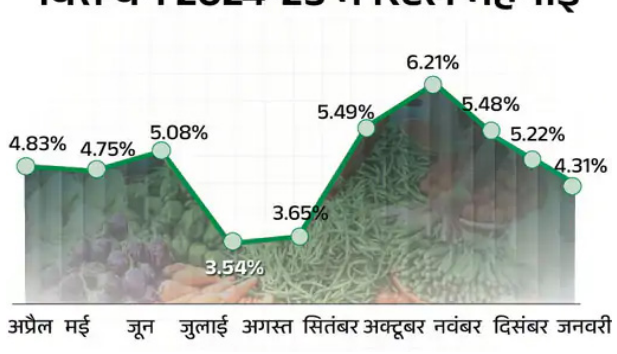
पूरे देश में होली का पर्व 14 मार्च को बड़ी हर्ष-उल्लास के साथ मनाया जाएगा. इसी बीच हम आपको एक ऐसी होली के बारे में बताने जा रहे हैं. जिसमें रंगों का प्रयोग नहीं किया जाता, बल्कि चिता की राख से होली खेली जाती है. खास बात ये है कि इस होली में महिलाएं, बच्चे और पुरुष शामिल नहीं होते हैं, बल्कि इस खास होली में केवल नागा साधु और संन्यासी ही शामिल होते हैं.

आखिर क्यों खेली जाती है मसान होलीः मान्यता है कि शादी के बाद भगवान शिव और मां पार्वती पहली बार काशी पहुंचे थे. ये दिन रंगभरी एकादशी का दिन था. जिससे भगवान शिव और मां पार्वती ने रंग और गुलाल से होली खेली. इसी बीच शिवगण (भूत, पिशाच, यक्ष और अघोरी साधु) दूर से ही आनंदित हो रहे थे. इसके बाद भूत, पिशाच, यक्ष ने भगवान शिव से निवेदन किया कि वो भी होली खेलना चाहते हैं.

सबसे पहले भगवान शिव ने खेली थी मसान होलीः भगवान शिव जानते थे कि उनके भक्त जीवन के रंगों से दूर रहते हैं. ऐसे में उन्होंने भक्तों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए श्मशान घाट पर पड़ी राख को हवा में उड़ा दिया. जिसके बाद शिवगण उसी श्मशान घाट की राख से होली खेलने लगे. ये दृश्य बहुत ही अद्भुत था. तभी से ये मसान होली उत्तप्रदेश के बनारस स्थित मणिकर्णिका घाट पर खेली जाती है.

इस बार कब मनाई जाएगी होलीः फाल्गुन पूर्णिमा तिथि पर होलिका दहन किया जाता है. इस बार होलिका दहन गुरुवार 13 मार्च 2025 को होगा, जबकि रंगों वाली होली 14 मार्च को खेली जाएगी. होलिका दहन का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है.

फरवरी में रिटेल महंगाई घटकर 3.61% पर आईः7 महीने में सबसे कम, सब्जियां-दालें सस्ती; जनवरी में महंगाई 4.31% पर थी

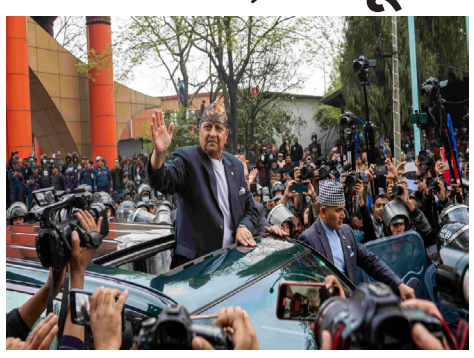


24 न्यूज अपडेट

दाल और सब्जियां सस्ती होने से फरवरी में रिटेल महंगाई दर घटकर 3.61% पर आ गई है। ये महंगाई का 7 महीने का निचला स्तर है। जुलाई 2024 में महंगाई 3.54% पर थी। वहीं जनवरी 2025 में महंगाई 4.31% थी। सांख्यिकी मंत्रालय ने आज 12 मार्च को महंगाई के आंकड़े जारी किए।

महंगाई के बास्केट में लगभग 50% योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इसकी महंगाई महीने-दर-महीने आधार पर 5.97% से घटकर 3.75% हो गई है। वहीं ग्रामीण महंगाई 4.59% से घटकर 3.79% और शहरी महंगाई 3.87% से घटकर 3.32% हो गई है।

नेपाल में योगी आदित्यनाथ को लेकर 'बवाल', हिंदू राज्य पर फिर छिड़ी बहस



नई दिल्ली : क्या नेपाल में फिर से राजतंत्र की बहाली होगी ? पिछले कुछ दिनों से मीडिया में लगातार ऐसी खबरें आ रही हैं. इसकी वजह है नेपाल में होने वाले विरोध प्रदर्शन. यह प्रदर्शन सरकार की नाकामियों को लेकर है. हालांकि, इस प्रदर्शन का स्तर बहुत बड़ा नहीं है.

प्रदर्शन में भाग लेने वालों में से कइयों ने नेपाल में राजशाही को फिर से स्थापित करने की मांग दोहराई है. वे चाहते हैं कि नेपाल फिर से हिंदू राष्ट्र बने. इस समय नेपाल में प्रजातांत्रिक व्यवस्था है.

नेपाल में 2008 में राजशाही व्यवस्था को खत्म किया गया था. तब से नेपाल में लोकतंत्र है. उससे पहले नेपाल में 239 सालों तक लगातार राजशाही थी. दिक्कत ये है कि 2008 से लेकर अब तक नेपाल में 11 बार सरकार बदल चुकी है. इसलिए लोग तंग आ चुके हैं.

हिंदू राष्ट्र की क्यों उठ रही मांग

गत रविवार को नेपाल की राजधानी काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह पहुंचे थे. उनके स्वागत के लिए हवाई अड्डे पर भारी भीड़ एकत्रित थी. उनमें से ही कई लोगों ने एक नारा लगाया- नारायणरिटी खाली करो, हमारे राजा आ रहे हैं. नारायणहिटी नेपाल का राज पैलेस है और यहां पर राजा रहा करते थे. यह जानना जरूरी है कि जब से ज्ञानेंद्र शाह को राजा के पद से हटाया गया है, तब से वे सार्वजनिक तौर पर कभी-कभार ही दिखते हैं. अब सवाल यह है कि अचानक ही नेपाल में राजशाही का बात क्यों उठने लगी है ? क्या नेपाली जनता वर्तमान सरकार से खुश नहीं है ? मीडिया रिपोर्ट में ऐसी कई खबरें आई हैं, जिसमें बताया जा रहा है कि जनता नेपाल की सत्ता में होने वाले बार-बार के परिवर्तन से खुश नहीं है. वह सरकार के परफॉर्मेंस से भी खुश नहीं है. सरकार लोगों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर रही है. नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह के स्वागत में उमड़ी भीड़ और वहां पर लगने वाले नारे को लेकर कई मायने लगाए जा रहे हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक इस भीड़ में Sk शख्स उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर लिए खड़ा था.

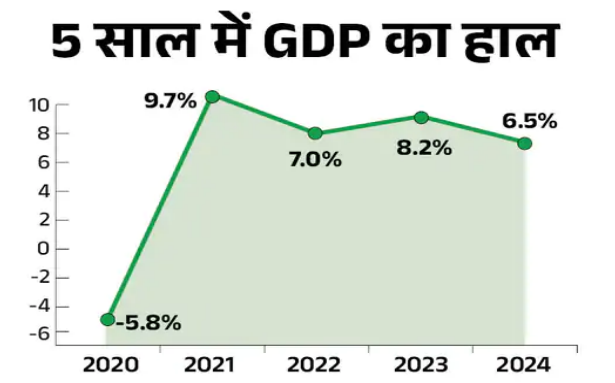
राजौरी में सीमा पार से फायरिंग, एक जवान घायल



24 न्यूज अपडेट

जम्मू में राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में सीमा पार से हुई गोलीबारी में सेना का एक जवान घायल हो गया। जवान की पहचान मन कुमार बेगा के रूप में हुई है। वह गोरखा रेजीमेंट का है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि बॉर्डर पार से स्नाइपर अटैक हुआ है। LoC पर ब्लास्ट भी हुआ, जिसके बाद तीन राउंड फायरिंग हुई। फिलहाल सेना ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पिछले 20 दिनों में LoC पर फायरिंग की ये पहली घटना है। दरअसल 21 फरवरी को भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच फ्लैग मीटिंग हुई थी। यह मीटिंग पुंछ सेक्टर के चाका दा बाग (LoC ट्रेड सेंटर) में आयोजित की गई थी। जिसमें दोनों सेनाओं के ब्रिगेडियर रैंक के अधिकारी शामिल हुए थे। पिछले चार सालों में दोनों देशों के बीच इस तरह की पहली मीटिंग थी। आखिरी फ्लैग मीटिंग 2021 में हुई थी। सूत्रों ने कहा कि बैठक में दोनों पक्षों के बीच बॉर्डर पर शांति बनाए रखने और सीजफायर पर सहमति बनी थी।

FY26 में 6.5% की दर से बढ़ेगी भारतीय इकोनॉमी:कैपिटल एक्सपेंडिचर, टैक्स और ब्याज दर में कटौती से ग्रोथ को सपोर्ट



24 न्यूज अपडेट

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.5% से ज्यादा की दर से बढ़ेगी। यह मौजूदा वित्त वर्ष यानी 2024-25 के 6.3% के अनुमान से ज्यादा है। मूडीज रेटिंग्स ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ज्यादा कैपिटल खर्च करेगी। इसके अलावा टैक्स में कटौती और ब्याज दर में कमी से खपत बढ़ेगी जिससे ग्रोथ को सपोर्ट मिलेगा। इस दौरान बैंकिंग सेक्टर में स्थिरता रहेगी। भारतीय बैंकों का ऑपरेटिंग एनवायरमेंट अगले वित्त वर्ष में फेवरेबल बना रहेगा। लेकिन बीते साल में जरूरी सुधार के बाद उनकी एसेट क्वालिटी में मामूली गिरावट आएगी।

श्री वेंकटेश्वर अन्नप्रसादम ट्रस्ट को 2200 करोड़ रुपए का मिला दान, टीटीडी अध्यक्ष ने जताई खुशी



तिरुमाला मंदिर में आने वाले भक्तों के लिए खुशखबरी है, क्योंकि मुफ्त भोजन कराने वाले श्री वेंकटेश्वर अन्नप्रसादम ट्रस्ट को 2,200 करोड़ रुपए से अधिक का दान मिला है. केवल 2,000 भक्तों से शुरू हुआ यह कार्यक्रम अब प्रतिदिन एक लाख से अधिक भक्तों की सेवा करता है.

श्री वेंकटेश्वर अन्नप्रसादम ट्रस्ट के पास 9.7 लाख दानकर्ताः श्री वेंकटेश्वर अन्नप्रसादम ट्रस्ट के पास वर्तमान में 9.7 लाख दानकर्ता हैं. जिसमें से 139 दानकर्ता 1 करोड़ रुपए या उससे अधिक का योगदान देते हैं, जबकि 249 दानकर्ता प्रत्येक 44 लाख रुपए दान के साथ पूरे दिन के भोजन का वित्तपोषण करते हैं. वहीं, इस पहल को मूल रूप से आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री नंदमुरी तारक राम राव द्वारा 1984 में अन्नदान योजना के रूप में शुरू किया गया था, जिसका नाम बदलकर 2014 में श्री वेंकटेश्वर अन्नप्रसादम ट्रस्ट कर दिया गया.

टीटीडी के अध्यक्ष ने जताई खुशीः टीटीडी के अध्यक्ष बी.आर. नायडू ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खुशी जाहिर की है और उन भक्तों की उदारता को स्वीकार किया है, जो इस पवित्र कार्य का समर्थन करना जारी रखते हैं.

परोपकारी योगदान को प्रोत्साहित करना पहल का उद्देश्य : इस पहल का उद्देश्य परोपकारी योगदान को प्रोत्साहित करना है. साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि मंदिर की सेवा परंपरा के तहत लाखों तीर्थयात्रियों को निशुल्क प्रसाद मिले. ट्रस्ट को दुनिया भर के भक्तों और दानदाताओं से प्राप्त दान से चलाया जा रहा है. ट्रस्ट सभी दान को राष्ट्रीयकृत बैंकों में जमा करता है और उस पर अर्जित ब्याज का उपयोग अपने खर्चों को पूरा करने के लिए करता है.

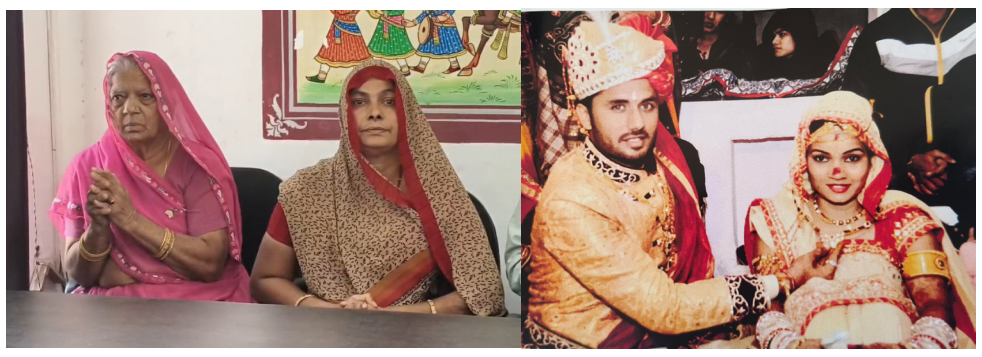
संपादकीय : संशय का प्रवाह

प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान संगम क्षेत्र के पानी में प्रदूषण का तथ्य उजागर कर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड यानी सीपीसीबी ने खासा विवाद पैदा कर दिया था। पर, अब अपनी नई रपट में उसने स्पष्ट किया है कि वहां का पानी स्नान करने लायक था। चूंकि अलग-अलग जगहों से नमूने लिए गए थे, इसलिए उनमें अलग-अलग तथ्य दर्ज हुए थे, मगर इससे पूरी नदी के पानी में अपशिष्ट की मात्रा का दावा नहीं किया जा सकता। रपट में कहा गया है कि, साख्यिकीय विश्लेषण के अनुसार, जांचे गए खंडों के लिए पीएच, डीओ, बीओडी और एफसी का औसत परिमाण संबंधित मानदंडों / अनुमेव सीमाओं के भीतर है। यह रपट 12 जनवरी से 22 फरवरी के बीच इकट्ठा किए गए आंकड़ों का समग्र विश्लेषण करने के बाद पेश की गई है। इसी अवधि में सभी प्रमुख स्नान हुए थे। सीपीसीबी ने 17 फरवरी को पेश अपनी रपट में बताया था कि संगम क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर फीकल कोलीफार्म का स्तर स्नान के लिए प्राथमिक जल गुणवत्ता के अनुरूप नहीं था । इस रपट के आधार पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से जवाब तलब किया था। तब राज्य सरकार को सफाई देनी पड़ी थी कि उसने गंगा और यमुना के जलशोधन के लिए क्या-क्या उपाय किए हैं और वहां पानी पूरी तरह स्नान के लायक है। बाद में एक वैज्ञानिक ने भी कहा कि पूरे महाकुंभ के दौरान संगम क्षेत्र का पानी पीने लायक था। इस बार प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ को इसलिए विशेष माना गया था कि इसे एक सौ चौवालीस वर्ष बाद आया अवसर बताया गया। इसीलिए केंद्र और राज्य सरकारों ने इसके आयोजन का बढ़-चढ़ कर प्रचार-प्रसार किया था। श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए हर व्यवस्था करने की कोशिश की गई थी। संगम क्षेत्र में पहुंचने वाले गंगा और यमुना के जल को हर दिन जांचने का प्रबंध भी किया गया था, ताकि उसमें किसी तरह की ऐसी अशुद्धि न घुल सके, जिससे लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचता हो। ऐसे में जब सीपीसीबी ने संगम क्षेत्र के पानी में फीकल कोलीफार्म यानी मानव जल-मल से पैदा बैक्टीरिया की मात्रा मानक से अधिक होने का तथ्य उजागर किया, तो लोगों की आस्था पर चोट का प्रश्न उठ खड़ा हुआ था। दरअसल, महाकुंभ के दौरान लोग आचमन भी करते हैं, वहां का पानी भर कर अपने घर लाते हैं। इस बैक्टीरिया से लोगों में गंभीर त्वचा रोग और दूसरी बीमारियां पनपने की आशंका पैदा हो गई थी। यह समझना मुश्किल है कि अब सीपीसीबी को अपने पिछले अध्ययन को दुरुस्त करने का कौन-सा सूत्र हाथ लगा है, जो उस वक्त उसके पास नहीं था। गनीमत है कि उसकी पहली रपट का श्रद्धालुओं पर कोई व्यापक और गंभीर असर नहीं पड़ा था, वरना इससे बेवजह विवाद के तूल पकड़ने का खतरा तो पैदा हो ही गया था । आखिर इसकी जवाबदेही किसकी मानी जाए, कि एक रपट के जरिए पहले संशय पैदा करने की कोशिश की गई, फिर महाकुंभ खत्म हो जाने के बाद उसे दुरुस्त कर दिया गया। हालांकि राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने अभी इस प्रकरण को बंद नहीं किया है। इस पर सुनवाई होनी है। इसलिए उम्मीद की जाती है कि इस संशय का निवारण किया जाएगा कि आखिर सीपीसीबी की कौन-सी रपट सही है, पहले वाली या बाद की।

जश्न बनाम हिंसा

भारत के आइसीसी चैंपियंस ट्राफी जीतने पर देश में सभी को खुशी हुई होगी। इस मौके पर जश्न मनाना भी स्वाभाविक है। मगर इससे उपजी इस अफसोसनाक स्थिति पर समाज के सभी संवेदनशील लोगों को सोचने की जरूरत है कि अगर कोई मौका सभी के लिए खुश होने का हो, उस समय दो पक्षों के बीच टकराव देश को किस ओर ले जाएगा। गौरतलब है कि चैंपियंस ट्राफी में भारत के खिताब जीतने के बाद जब रविवार को मध्यप्रदेश में इंदौर के महू में कुछ लोग विजय जुलूस निकाल रहे थे, तो एक मस्जिद के पास दो पक्षों में विवाद हो गया। इसके बाद पत्थरबाजी हुई और फिर लोगों ने दुकानों और वाहनों में आग लगा दी। गुजरात के गांधीनगर में भी जीत के जश्न में निकाली गई रैली के दौरान हिंसक घटना हुई। हालांकि पुलिस ने स्थिति संभाल ली, मगर यह सवाल बेहद दुखद है कि खुशी जाहिर करने के मौके पर किसी भी व्यक्ति या समूह को तनाव और हिंसा का माहौल पैदा करने की खुराफात क्यों सूझती है और क्या ऐसे लोग समाज और देश के हित को प्रभावित नहीं करते। दरअसल, जब भी इस तरह की कोई घटना होती है, तब सबसे ज्यादा देश की उस सांस्कृतिक संरचना को नुकसान पहुंचता है, जिसमें आमतौर पर सभी लोग शांति और खुशी से साथ रहने की कोशिश करते हैं। लेकिन अक्सर ऐसी घटनाएं सामने आ जाती हैं, जिनमें देश की किसी उपलब्धि पर खुशी जाहिर करने के क्रम में दो पक्षों के बीच टकराव और हिंसा की स्थिति बन जाती है । यह बेहद तकलीफदेह स्थिति है। इसके बाद भले पुलिस दखल देकर स्थिति पर नियंत्रण कर ले, मगर इस बीच आपसी संदेह का जो माहौल बन जाता है, वह किसी के लिए अच्छा नहीं होता। आमतौर पर लोगों को बेवजह उन्माद से नुकसान समझ में आ जाता है, पर तब तक देर हो चुकी होती है और बहुत कुछ बिगड़ जाता है। जरूरत इस बात की है कि खुशी और जश्न के बीच होने वाली हिंसा की घटनाओं को सबक के तौर पर लिया जाए और सभी समुदाय के लोग इस मसले पर सजग रहें, ताकि वैसी स्थिति दोबारा न पैदा हो।

अवैध संबंधों के चलते विदा हुई विनिता, परिजन बोले- हत्यारा पति बेटी की मौत का भी जिम्मेदार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर की रहने वाली विनिता जैन की संदिग्ध परिस्थितियों में पुणे में मौत हो गई। 25 फरवरी को उसका शव बरामद हुआ, जिसके बाद परिजनों ने सनसनीखेज आरोप लगाते हुए पति हिमांशु जैन को हत्यारा बताया। उन्होंने दावा किया कि यह आत्महत्या नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या थी। परिजनों का आरोप है कि हिमांशु न केवल विनिता को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता था, बल्कि उसकी एक साल पहले हुई बेटी की मौत का भी जिम्मेदार वही था।

पति पर हत्या का आरोप

विनिता के परिजनों का आरोप है कि हिमांशु जैन का कई महिलाओं के साथ अवैध संबंध था, जिसकी जानकारी विनिता को थी। इस वजह से दोनों के बीच आए दिन झगड़े होते थे। 2017 में शादी के बाद दोनों पुणे में नौकरी कर रहे थे, लेकिन हिमांशु का विवाहेत्तर संबंधों में लिप्त होना उनके रिश्ते में तनाव की मुख्य वजह बन गया। 25 फरवरी को विनिता की मौत की सूचना परिजनों को एक रिश्तेदार के जरिए मिली, जबकि उस वक्त हिमांशु घटनास्थल पर मौजूद था, लेकिन उसने खुद परिजनों को सूचित नहीं किया।

अफेयर, विनिता ने दी थी जानकारी

मृतका के परिजनों के अनुसार, हिमांशु का पुणे की महिला के साथ अफेयर था, जिसके बारे में विनिता ने खुद अपने और हिमांशु के परिवार को बताया था। जब यह मामला खुला, तब हिमांशु ने अपने अवैध संबंधों को स्वीकार किया था और परिजनों को आश्वासन दिया था कि वह अब कोई गलती नहीं करेगा। लेकिन, वादे के बावजूद उसने अपनी आदतें नहीं बदलीं और विनिता को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता रहा।

आत्महत्या नहीं, हत्या का दावा

परिजनों का आरोप है कि हिमांशु ने विनिता की हत्या कर उसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। मौके से मिले सबूत और परिस्थितियां इस ओर इशारा करती हैं कि विनिता ने खुद अपनी जान नहीं ली, बल्कि उसकी जान ली गई। पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है, लेकिन परिजनों का कहना है कि वह चिट्ठी विनिता की लिखी हुई नहीं है, बल्कि उसे हिमांशु ने ही लिखा है।

बेटी की मौत का भी हिमांशु पर आरोप

परिजनों का दावा है कि हिमांशु पहले भी अपनी बेटी के प्रति लापरवाह था और उसकी एक साल पहले हुई मौत के लिए भी वही जिम्मेदार था। उनका आरोप है कि हिमांशु के बर्ताव के कारण ही मासूम बच्ची को अपनी जान गंवानी पड़ी।

परिजनों ने की निष्पक्ष जांच की मांग

विनिता के परिजनों ने पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यह मामला केवल घरेलू विवाद का नहीं, बल्कि एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा है। वे चाहते हैं कि हिमांशु के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और उसे सजा मिले।

क्या यह हत्या थी या आत्महत्या?

विनिता की मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या यह एक घरेलू कलह का नतीजा था, या फिर एक योजनाबद्ध हत्या? पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और परिजनों को उम्मीद है कि उन्हें न्याय मिलेगा।

कंटेनर से अंग्रेजी शराब की 196 पेटियां जब्त

कपड़ो के कार्टून के बीच शराब तस्करी करते हरियाणा के तीन आरोपी गिरफ्तार, हरियाणा से गुजरात होनी थी सप्लाई

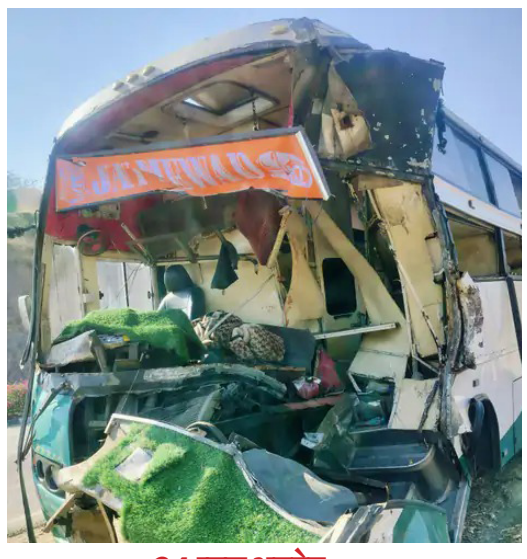


24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़, 12 मार्च। जिले की भदेसर थाना पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी के विरूद्ध बडी कार्यवाही करते हुए एक कंटेनर से अंग्रेजी शराब की अलग अलग ब्रांड की 196 पेटियां जब्त की है। हरियाणा के तीन आरोपी कंटेनर में कपड़ो के कार्टून की आड़ में शराब की तस्करी करते गिरफ्तार किये गए हैं। आरोपी अवैध शराब को हरियाणा से गुजरात ले जा रहे थे।

जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि जिले मे अवैध शराब की तस्करी के विरुद्ध कार्यवाही हेतु सभी थानाधिकारियो का दिशा निर्देश दिये गये। इसी क्रम में एएसपी सरिता सिंह के निर्देशन एवं डीएसपी भदेसर अनिल शर्मा के सुपरविजन में थानाधिकारी भदेसर धर्मराज मीना उप निरीक्षक के नेतृत्व में थाना भदेसर के एएसआई निहाल चंद, सुभाष, गोपाल व सुनील, कानि. विकास, विजय, रतन सिंह, नरेन्द्र, मुरलीधर, धर्मेंद्र, रामफूल व रामेश्वर द्वारा बुधवार को अवैध शराब तस्करी की सूचना पर चितौडगढ- उदयपुर हाइवे पर सुखवाडा पुलिया के पास नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी के दौरान एक कंटेनर को रोककर तलाशी ली तो उसमे कपड़ो के कार्टून भरे हुए थे, जिनको हटाकर देखा गया तो कपड़ो के कार्टून के नीचे अवैध हरियाणा मेक की अग्रेजी शराब की अलग अलग ब्राड रायल स्टेग, मेक्डोनल्ड, रॉयल चैलेन्जर, ऑल सीजन की कुल 196 पेटियाँ मिली, जिनको नियमानुसार जब्त किया गया व परिवहन मे प्रयुक्त वाहन कंटेनर को जब्त किया गया। कंटेनर के अदर कपड़ो के कार्टून भरे हुए थे जिनके बीच मे रखकर अवैध शराब की तस्करी की जा रही थी जो हरियाणा से गुजरात सप्लाई की जानी थी। अवैध शराब व कंटेनर को जब्त कर आरोपी हरियाणा के नांगल मुबारिकपुर थाना नगीना जिला नूह निवासी 23 वर्षीय नसीम पुत्र अब्बास मेव, साकरस थाना फिरोजपुर झिरका जिला नूह निवासी 24 वर्षीय यायाहा पुत्र दीनू मेव व नांगल मुबारिकपुर थाना नगीना जिला नूह निवासी 22 वर्षीय मोहम्मद साद पुत्र नजीम मेव को गिरफतार किये गये। उक्त पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है। उक्त कार्यवाही मे भदेसर थाने के कानि. रतन सिह की विशेष भूमिका रही।

डूंगरपुर में भीषण सड़क हादसाः बस-ट्रक की टक्कर में दो की मौत, छह घायल



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुरः दिल्ली-मुंबई नेशनल हाईवे-48 पर बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें प्राइवेट बस खड़े ट्रक से टकरा गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई और घायलों को तुरंत डूंगरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सुबह-सुबह तेज धमाके से गूंजा इलाका

यह हादसा डूंगरपुर से करीब 40 किलोमीटर दूर बिछीवाड़ा इलाके में सुबह 5 बजे हुआ। पुलिस के अनुसार, बस राजकोट (गुजरात) से उत्तर प्रदेश जा रही थी। हाईवे किनारे खड़े ट्रक से टकराने के बाद भयावह धमाका हुआ और सो रहे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

नींद में थे यात्री, मौके पर दो की मौत

बिछीवाड़ा थानाधिकारी कैलाश सोनी ने बताया कि सुबह होने के कारण अधिकतर यात्री गहरी नींद में थे। हादसे में यूपी के श्रावस्ती जिले के गिलौला निवासी गिरजेश कुमार (23) पुत्र बालक राम और भीलवाड़ा के कटेरा निवासी भरत (20) पुत्र धर्माजी की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों के शवों को डूंगरपुर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है।

छह लोग घायल, अस्पताल में भर्ती

घायलों में शामिल हैं: सुरेश पुत्र सुमाजी गुर्जर (मांडल, भीलवाड़ा) गोविंद पुत्र डोलाजी पटेल (शिशोद, बिछीवाड़ा, डूंगरपुर) इसके अलावा चार अन्य यात्री भी घायल हुए हैं, जिन्हें 108 एंबुलेंस से डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

पोस्टमॉर्टम के लिए परिजनों का इंतजार

पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया है। उनके आने के बाद ही पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

डूंगरपुर-उदयपुर हाईवे पर बढ़ रहे हादसे

यह डूंगरपुर-उदयपुर मार्ग पर हाल के दिनों में हुआ तीसरा बड़ा हादसा है। हाईवे किनारे अनियंत्रित रूप से खड़े ट्रक और बस चालकों की लापरवाही इन दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बन रही है। स्थानीय प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की जा रही है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

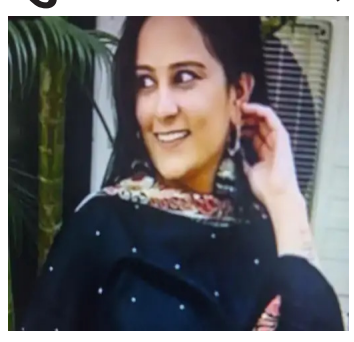
विद्युत लाइन की चपेट में आने से झुलसी स्कूली छात्रा, एमबी चिकित्सालय रेफर



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर – उदयपुर जिले के झाझर गांव में एक दुखद हादसे में स्कूली छात्रा लीला विद्युत लाइन की चपेट में आने से झुलस गई। परिजनों ने तुरंत उसे झाड़ोल चिकित्सालय पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए उसे उदयपुर के एमबी चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। घटना उस समय हुई जब लीला मवेशियों को पानी पिलाने ले जा रही थी। इसी दौरान वह विद्युत लाइन की चपेट में आ गई और झुलस गई। हादसे के बाद परिजनों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को सूचना दी। ओगणा थाना पुलिस को इस घटना की जानकारी दे दी गई है। फिलहाल, छात्रा का एमबी चिकित्सालय में इलाज जारी है।

बांसवाड़ा में सड़क हादसे में युवती की मौत, युवक घायल



24 न्यूज अपडेट

शहर के राजतालाब थाना क्षेत्र स्थित मकोड़िया पुल के पास बीती रात साढ़े 9 बजे एक कार अनियंत्रित होकर पलटी खा गई। हादसे में गाड़ी में एक युवती और एक युवक गंभीर घायल हो गए। लोगों ने दोनों को निजी अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां से हालत गंभीर होने पर युवती को रेफर कर दिया गया। इस बीच इलाज के लिए उदयपुर ले जाते समय युवती की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, युवती मुस्कान खत्री पुत्री महेंद्र खत्री निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, बासंवाड़ा अपने मित्र कंवलजीत के साथ कार में दाहोद रोड पर मकोड़िया पुल की तरफ आ रही थी। इस दौरान सामने एक सुअर आ गया, जिसके कारण गाड़ी का बैलेंस बिगड़ गया और वह डिवाइडर से टकरा कर 3 पलटी खा गई। हादसे में दोनों को गंभीर चोटें आई। दोनों को घायल हालत में शहर के निजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया, जहां युवक को प्राथमिक इलाज के बाद भर्ती कर लिया। वहीं युवती की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इस बीच परिजन उसे निजी अस्पताल ले गए, जहां से इलाज के लिए उदयपुर ले जाते समय रास्ते में ही युवती की मौत हो गई। बाद में शव को बांसवाड़ा एमजी अस्पताल की मॉर्च्युरी में लाए। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। राजतालाब थाने के एएसआई अब्दुल हकीम ने बताया कि परिजनों की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सांसद रावत ने दक्षिण राजस्थान में केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग उठाई



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सांसद मन्नालाल रावत ने राजस्थान के मेवाड वागड़ क्षेत्र सहित तीन राज्यों के मुख्यतः अनुसूचित क्षेत्र के युवाओं की उच्च शिक्षा में गुणवत्ता व वैश्विक आवश्यकता की पूर्ति के लिए दक्षिण राजस्थान में एक केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना करने की मांग की है। सांसद डॉ रावत ने बुधवार को संसद में नियम 377 के अधीन सूचना के तहत जानकारी दी कि दक्षिण राजस्थान का अधिकांश भाग राष्ट्रपति की अधिसूचना 18 मई, 2018 के अनुसार अनुसूचित क्षेत्र के अधीन आता है। यह क्षेत्र गुजरात व मध्य प्रदेश राज्य के अनुसूचित क्षेत्र से सटा हुआ है। तीनों राज्यों के इन क्षेत्रों में लगभग डेढ करोड़ से अधिक जनजातीय जनसंख्या है। देश में अमरकंटक (मध्यप्रदेश), विजयनगरम (आंध्रप्रदेश) एवं मुलुगु (तेलंगाना) में केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय स्थापित किए हैं। इनमें से दो केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालयों (विजयनगरम एवं मुलुगु की स्थापना नरेंद्र मोदी की सरकार में की गई है। उक्त तीनों जनजातीय विश्वविद्यालय दक्षिणी राजस्थान के जनजातीय क्षेत्र से 1000-1500 किमी दूरी पर स्थित है। सांसद डॉ रावत ने कहा कि राजस्थान के मेवाड वागड़ क्षेत्र सहित तीन राज्यों के मुख्यतः अनुसूचित क्षेत्र के युवाओ की उच्च शिक्षा में गुणवत्ता व वैश्विक आवश्यकता की पूर्ति के लिए दक्षिण राजस्थान में एक केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना करने की आवश्यकता है।

राजस्थान में बर्थ-डेथ सर्टिफिकेट की कॉपी लेना हुआ महंगा:अस्पतालों ने सूचना देने में देरी की तो 1000 रुपए लेट फीस देनी होगी



24 न्यूज अपडेट

राजस्थान में बर्थ और डेथ सर्टिफिकेट की कॉपी लेना महंगा हो गया है। बर्थ-डेथ सर्टिफिकेट की रजिस्ट्रेशन की एक्स्ट्रा कॉपी की फीस को 5 रुपए से बढ़ाकर 50 रुपए कर दिया गया है। इसके साथ ही रिकॉर्ड की जांच करवाने पर भी 20 रुपए फीस देनी होगी। वहीं अस्पतालों ने जन्म या मृत्यु रजिस्ट्रेशन की सूचना देने में देरी की तो 250 से 1000 लेट फीस देनी होगी। नगर निगम के जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रार विक्रम सिंह ने बताया कि राजस्थान सरकार ने आदेश जारी कर प्रदेश के सभी नगर निकाय में डेथ और बर्थ सर्टिफिकेट के प्रावधान में बदलाव किया था। जिसके बाद नगरीय निकाय के स्तर पर पूर्व निर्धारित दरों में बदलाव कर नई दरों का नोटिफिकेशन जारी किया जा रहा है। ऐसे में अब भविष्य में डेथ और बर्थ सर्टिफिकेट देरी से बनवाने वालों को और ज्यादा भुगतान करना पड़ेगा।

उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में सरकार के आदेश के साथ ही यह फैसला लागू हो गया था। लेकिन काफी नगरीय निकायों ने अपने स्तर पर जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र की लेट फीस निर्धारित कर रखी थी। जहां अलग से ऑर्डर जारी किए जा रहे हैं।

इन नियमों की किया गया बदलाव-

निगम क्षेत्र में बर्थ और डेथ की घटना की सूचना 21 दिन बाद और 30 दिन के भीतर रजिस्ट्रार ऑफिस में देने पर अब 1 रुपए की जगह 20 रुपए लेट फीस देनी होगी। वहीं 30 दिन बाद और एक साल के भीतर जानकारी देने पर 50 रुपए और एक साल बाद जानकारी देने पर 100 रुपए लेट फीस देनी होगी।

मेडिकल संस्थानों द्वारा डेथ और बर्थ रजिस्ट्रेशन 21 दिन में नहीं कराने और समय पर जानकारी देने पर पेनल्टी राशि को 50 रुपए से बढ़ाकर 250 रुपए कर दिया गया है। यह राशि एक साल या उससे लेट जानकारी देने पर 1000 रुपए तक वसूली जा सकती है। देरी से बर्थ और डेथ सर्टिफिकेट बनवाने पर नोटरी वेरिफिकेशन को खत्म कर दिया गया है।

नियम 13 (क) के उपनियम के तहत बर्थ, डेथ सर्टिफिकेट संबंधित किसी तरह की जानकारी हासिल करने के लिए अब 2 रुपए की जगह 20 रुपए फीस देनी होगी।

बर्थ और डेट सर्टिफिकेट की एक्स्ट्रा कॉपी लेने पर अब 5 रुपए की जगह 50 रुपए (प्रति प्रिंट) फीस देनी होगी।

आसाराम ने अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका लगाई:गुजरात हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा, फिलहाल राहत नहीं; 20 मार्च को अगली सुनवाई



24 न्यूज अपडेट

नाबालिग से रेप के मामले में जोधपुर जेल में सजा काट रहे आसाराम को फिलहाल 31 मार्च तक अंतरिम जमानत मिली हुई है। इस अवधि को आगे बढ़ाने के लिए आसाराम की ओर से गुजरात हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। जिस पर बुधवार को सुनवाई हुई।

कोर्ट ने फिलहाल कोई राहत नहीं दी। सरकारी वकील से इस याचिका पर सरकार का पक्ष रखने के लिए नोटिस देकर जवाब मांगा है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 20 मार्च को होगी। इससे पहले आसाराम की ओर से राजस्थान हाईकोर्ट में सजा स्थगन याचिका दायर की गई थी। जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद यह याचिका वापस ले ली गई।

जब आसाराम के वकील ने 31 मार्च के बाद अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने की गुहार लगाई, तो राजस्थान हाईकोर्ट ने पहले गुजरात हाईकोर्ट में आवेदन करने को कहा। गुजरात हाईकोर्ट के आदेश के बाद ही राजस्थान हाईकोर्ट आसाराम की याचिका पर सुनवाई करेगा।

11 साल बाद मिली 75 दिन की राहत, समर्थकों ने किया पुष्पवर्षा से स्वागत

जोधपुर की कोर्ट से आसाराम को 14 जनवरी को 31 मार्च तक की अंतरिम जमानत मिली। उसी रात वह पाली रोड स्थित आरोग्यम से निकलकर रात 10:30 बजे अपने पाल गांव स्थित आश्रम पहुंचा।

अस्पताल के बाहर और पाल आश्रम के भीतर व बाहर बड़ी संख्या में समर्थकों की भीड़ जुटी थी, जिन्होंने आसाराम पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। वहां कुछ देर साधकों से चर्चा के बाद रात 11 बजे आसाराम एकांतवास पर चला गया।

पीटीआई-लाइब्रेरियन एग्जाम के फॉर्म विड्रॉ और संशोधन का मौका:कल लास्ट डेट, परीक्षाएं 4 से 6 मई तक होंगी; 500 रुपए शुल्क जमा कराना होगा



24 न्यूज अपडेट

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक एवं पुस्तकालय अध्यक्ष (संस्कृत कॉलेज शिक्षा विभाग) प्रतियोगिता परीक्षा-2024 का आयोजन 4 से 6 मई 2025 तक करवाया जाना प्रस्तावित है। कैंडिडेट्स 13 मार्च 2025 तक अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि जेंडर के अतिरिक्त अन्य संशोधन ऑनलाइन कर सकता है। इस दौरान आवेदन फॉर्म विड्रो करने का अवसर भी दिया गया है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

ऑनलाइन संशोधन के लिए शुल्क व प्रक्रिया

आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि ऑनलाइन संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए है। परीक्षा के लिए जारी विज्ञापन में पात्रता की शर्तों के अनुरूप ही संशोधन मान्य होंगे। विज्ञापन की शर्तें पूर्वानुसार ही रहेंगीं। ऑफलाइन संशोधन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

संशोधन चाहने वाले अभ्यर्थी को ई-मित्र/ऑनलाइन बैंकिंग के माध्यम से 500 रुपए का शुल्क जमा कराना होगा। आयोग के ऑनलाइन पोर्टल https://rpsc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध अप्लाई ऑनलाइन लिंक अथवा एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटिजन ऐप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर संबंधित परीक्षा में ऑनलाइन संशोधन किया जा सकेगा।

बिना योग्यता वाले कैंडिडेट्स भी कर सकेंगे विड्रॉ

निर्धारित शैक्षणिक योग्यता अथवा अनुभव नहीं होने के बाद भी ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 217 के अंतर्गत एवं आयोग की आगामी भर्ती प्रक्रिया से वंचित करने की कार्रवाई की जा सकती है। अतः ऐसे अभ्यर्थी भी उक्त अवधि के दौरान अपना ऑनलाइन आवेदन विड्रॉ कर सकते हैं। इसके लिए एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर माय रिक्रूटमेंट सेक्शन के अन्तर्गत संबंधित परीक्षा के समक्ष उपलब्ध विड्रॉ बटन पर क्लिक कर ऑनलाइन आवेदन विड्रॉ किया जा सकता है।

झालावाड़ जिले में थाना भवानी मंडी पुलिस की कार्रवाई : पत्रकार के साथ मारपीट की घटना में दो माह से फरार तीन आरोपी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

जयपुर 12 मार्च। झालावाड़ जिले की भवानी मंडी पुलिस ने करीब 2 महीने पहले रात के समय मीडियाकर्मी के साथ मारपीट करने के मामले में 100 से 150 सीसीटीवी फुटेज खंगाल अज्ञात आरोपियों की पहचान कर तीन आरोपियों शंकर सिंह पुत्र सरदार सिंह (37) व दशरथ सिंह पुत्र गब सिंह (25) निवासी नरला थाना बडोद जिला आगर एमपी एवं भेरू सिंह पुत्र नारायण सिंह (26) निवासी टीपूखेड़ा थाना झारडा जिला उज्जैन मध्य प्रदेश को गिरफ्तार किया है।

एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि घटना के संबंध में 16 जनवरी को मीडिया कर्मी कपिल चौहान (30) ने रिपोर्ट देते हुए बताया कि रात करीब 11:30 बजे ऑफिस से घर पहुंचा ही था कि एक बिना नंबरी बाइक पर आए तीन अज्ञात व्यक्तियों ने बाइक से टक्कर मार कर प्लास्टिक व लकड़ी के डंडों से उसके साथ मारपीट की। जिससे उसकी नाक और अन्य जगहों पर चोटें आई है। सारी घटना आसपास लगे सीसीटीवी में कैद है। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए एसपी तोमर द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा व का प्रेम कुमार के सुपरविजन एवं एसएचओ रमेश चंद मीणा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा आसूचना संकलन एवं सीसीटीवी फुटेज खंगाल अज्ञात बदमाशों की पहचान कर आरोपी शंकर सिंह, भैरू सिंह व दशरथ सिंह को गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों की गिरफ्तारी में एसएचओ रमेश चंद्र, हेड कांस्टेबल अखेराम, कांस्टेबल मुकेश मीणा व महेश कुमार शामिल थे।

झालावाड़ में गंगधार पुलिस की कार्रवाई : अवैध मादक पदार्थ तस्कर राजू उर्फ हरिओम सोनी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

जयपुर 12 मार्च। झालावाड़ जिले की गंगधार थाना पुलिस ने मंगलवार को गश्त के दौरान मादक पदार्थ तस्करी करते आरोपी राजू उर्फ हरिओम पुत्र गंगाराम सोनी उम्र 27 साल निवासी अनुपुरा थाना बडौद जिला आगर मालवा मध्यप्रदेश को 2 किलो 90 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम सहित गिरफ्तार किया है। जब्त अफीम की कीमत करीब 10.45 लाख रुपये है।

झालावाड़ एसपी ऋचा तोमर ने बताया की पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई करने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजी लाल मीना के निर्देशन एवं वृत्ताधिकारी गंगधार जयप्रकाश अटल के सुपरविजन में मंगलवार को थानाधिकारी गंगधार अमरनाथ जोगी मय टीम गश्त कर नजर रखी जा रही थी।

गश्त के दौरान बस स्टेण्ड व रेल्वे स्टेशन से रावतपुरा की तरफ जाने वाले कच्चे रास्ते चौमहला पर सन्दिग्ध राजू उर्फ हरिओम सोनी को डिटेन कर उसके पिट्ठू बैग की तलाशी ली गई। बैग में दो पैकिट मिले, दोनों पैकिटों का कुल वजन 2 किलो 90 ग्राम है। मादक पदार्थ अफीम जब्त कर आरोपी राजू उर्फ हरिओम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अवैध मादक पदार्थ तस्करी के बारे में अनुसंधान के लिए आज आरोपी को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमाण्ड प्राप्त किया जावेगा।

इस कार्रवाई में एसएचओ अमरनाथ जोगी सहित कांस्टेबल, राकेश कुमार, विनोद कुमार, बृजेश कुमार, रघुवीर सिंह, दिपेश कुमार, भीकम सिंह व रविन्द्र कुमार शामिल थे।

40 हजार का इनामी बदमाश पकड़ा : बाड़मेर जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करी व आर्म्स एक्ट के मामले में एक साल से था वांछित



24 न्यूज अपडेट

जयपुर. एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने बड़ी कार्रवाई कर बाड़मेर जिले के थाना गुड़ामालानी में एनडीपीएस एवं आर्म्स एक्ट के मामले में करीब 1 साल से फरार चल रहे 40 हजार रुपए के इनामी बदमाश बाबूलाल धाकड़ पुत्र प्रेमचंद (34) निवासी गांव हरिपुरा थाना बेंगू जिला चित्तौड़गढ़ को चित्तौड़गढ़-कोटा हाईवे पर काटुन्दा मोड़ के पास घेराबंदी कर पकड़ लिया।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स श्री दिनेश एमएन ने बताया कि शातिर बदमाश बाबूलाल धाकड़ को रात को चित्तौड़गढ़ के बेंगू थाने की कस्टडी में रख दस्तयाबी के बारे में थाना गुड़ामालानी पुलिस को सूचित कर दिया गया है। बुधवार सुबह बेंगू थाने से गुड़ामालानी पुलिस आरोपी को अपने मामले में साथ ले गई है।आरोपी मध्य प्रदेश के नीमच, मंदसौर, इंदौर में फरारी काट रहा था, जिसके होली पर गांव आने की एजीटीएफ टीम को सूचना मिली थी।

एडीजी श्री एमएन ने बताया कि वांछित बदमाशों, गैंगस्टर्स एवं आपराधिक गिरोह के सदस्यों के बारे में आसूचना संकलन एवं उनकी धर पकड़ के लिए उप महानिरीक्षक पुलिस श्री योगेश यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन एवं इंस्पेक्टर फूलचंद टेलर के नेतृत्व में एएसआई शैलेंद्र शर्मा, हेड कांस्टेबल मदनलाल, अरुण कुमार, कांस्टेबल बृजेश कुमार एवं श्रवण कुमार को उदयपुर रेंज की और रवाना किया गया था।

होली पर गांव आने की मिली थी सूचना

श्री एमएन ने बताया कि इसी दौरान टीम के सदस्य एएसआई शैलेंद्र शर्मा व कांस्टेबल बृजेश कुमार को सूचना मिली कि बाड़मेर के गुड़ामालानी थाने में एनडीपीएस व आर्म्स एक्ट के मामले में वांछित 40 हजार का इनामी बाबूलाल धाकड़ मध्य प्रदेश में फरारी काट रहा है, जो होली के त्योहार पर अपने गांव हरिपुरा थाना बेंगू आएगा। सूचना की पुष्टि के बाद मंगलवार को एजीटीएफ ने बेंगू से 7-8 किलोमीटर पहले चित्तौड़गढ़ कोटा हाईवे पर काटुन्दा मोड के पास घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया।

आरोपी बाबूलाल धाकड़ को थाना बेंगू की कस्टडी में रखा गया था, जहां से बुधवार सुबह को गुड़ामालानी थाना पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध चित्तौड़गढ़ जिले के बेंगू एवं पारसोली थाने में भी डकैती, महिला का अपहरण कर यौन शोषण, मारपीट सम्बन्धी चार आपराधिक प्रकरण पहले से दर्ज है।

यह है मामला

गत वर्ष 13 अप्रैल 2024 को थाना गुड़ामालानी व डीएसटी टीम द्वारा लूणवा चारणान गांव में पप्पू उर्फ नरेश कुमार विश्नोई पुत्र गंगाराम के घर दबिश देकर कुल 15.782 किलोग्राम अवैध अफीम का दूध, एक पिस्टल जिसमें एक खाली मैग्जीन लगी हुई व एक मैग्जीन में चार जिन्दा कारतुस भरे हुए जब्त किए थे।

बरामद मादक पदार्थ व हथियार के बारे में आरोपी पप्पू उर्फ नरेश ने बताया कि अफीम का दूध उसने बाबू लाल धाकड़ एवं हथियार व कारतूस साल 2016 में हरिकिशन विश्नोई निवासी सेवड़ी से 37 हजार रूपये में खरीदे थे। मामले में आरोपी बाबूलाल धाकड़ की गिरफ्तारी के लिए आईजी जोधपुर रेंज विकास कुमार द्वारा 6 मार्च 2025 को 40 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

उक्त संपूर्ण कार्रवाई में एएसआई शैलेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल मदन लाल, अरुण कुमार एवं कांस्टेबल बृजेश कुमार व श्रवण कुमार की विशेष भूमिका रही।

आरओ-ईओ एग्जाम 23 मार्च को होगा:परीक्षा जिले की जानकारी 16 से, 20 से एडमिट कार्ड होंगे अपलोड

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय एवं अधिशाषी अधिकारी वर्ग -चतुर्थ प्रतियोगी परीक्षा- 2022 का पुनः आयोजन 23 मार्च 2025 को दोपहर 12 से 2 बजे तक किया जाएगा। परीक्षा में ओएमआर उत्तर पत्रक के पांचवे विकल्प को भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि अभ्यर्थी उक्त परीक्षा के लिए आवंटित परीक्षा जिले की जानकारी 16 मार्च 2025 से एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर प्राप्त कर सकेंगे। परीक्षा के प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल पर 20 मार्च 2025 को जारी किए जाएंगे। इस अनुसार अभ्यर्थी यथाशीघ्र प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर लेवें। प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन-पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ठ कर डाउनलोड किए जा सकेंगे। इसके अतिरिक्त एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन ऐप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल लिंक से भी प्रवेश-पत्रों को डाउनलोड किया जा सकता है।

एक घंटे पहले मिलेगी एन्ट्री

परीक्षा केन्द्र पर किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया जाएगा। इसके पश्चात् किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अतः अभ्यर्थी परीक्षा के दिन परीक्षा प्रारंभ होने के लिए नियत समय से पर्याप्त समय पूर्व परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक रूप से उपस्थित हो जाएं ताकि सुरक्षा जांच एवं पहचान का कार्य समय पर पूर्ण हो सके। देरी से आने पर तलाशी में समय लगने के कारण परीक्षा में शामिल होने से वंचित हो सकते हैं।

राजस्थान में होली पर पर पलटेगा मौसम, लू के बाद ओले और बारिश का अलर्ट



24 न्यूज अपडेट

राजस्थान में मार्च की शुरुआत से ही गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। बाड़मेर में पारा 41.2C और जालोर में 40C पार कर चुका है, जिससे हीटवेव (लू) का खतरा बढ़ गया है। दूसरी ओर, होली (14-15 मार्च) पर बारिश और ओले गिरने की चेतावनी जारी की गई है, जिससे मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

गर्मी से रिकॉर्ड ब्रेक, कई जिलों में हीटवेव का अलर्ट

बाड़मेर और जालोर में लगातार दूसरे दिन हीटवेव चली।

जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, कोटा, उदयपुर, चूरू और धौलपुर में तापमान 3C तक बढ़ गया।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, राजस्थान-गुजरात के ऊपर एंटी साइक्लोन बनने और पश्चिमी गर्म हवाओं के कारण तापमान तेजी से बढ़ रहा है।

होली पर बदलेगा मौसम, ओले गिरने का अलर्ट

13 मार्च से मौसम में बदलाव शुरू होगा।

15 मार्च को ओले गिरने और बारिश का येलो अलर्ट जारी।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण राजस्थान में मौसम का मिजाज बदलेगा, जिससे दिन के तापमान में गिरावट हो सकती है।

हेल्थ डिपार्टमेंट अलर्ट पर, लू से बचाव के निर्देश

जिला हॉस्पिटलों में हीटवेव से निपटने की तैयारी तेज।

अस्पतालों में हीटवेव से प्रभावित मरीजों के लिए दवाएं, कूलर और एसी की व्यवस्था के निर्देश।

लोगों को सावधान रहने की सलाह – दोपहर में धूप से बचें, पानी अधिक पिएं और हल्के कपड़े पहनें। राजस्थान में होली पर मौसम का यह उलटफेर किसानों और आम लोगों के लिए चिंता का कारण बन सकता है। गर्मी और लू के बाद बारिश और ओले फसलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में मौसम विभाग की चेतावनी पर ध्यान देना जरूरी है।

राजस्थान में दिन में झुलसाने वाली गर्मी, रात में राहत

राजस्थान में दिन और रात के तापमान में बड़ा अंतर देखने को मिल रहा है। 11 मार्च को कई शहरों में दिन का तापमान 35C से ज्यादा दर्ज किया गया, जबकि रात का तापमान 15-20C के बीच रहा।

जिले में CELC आधार ऑपरेटर ऑनबोर्डिंग हेतु आवेदन आमंत्रित

AADHAAR

CELC आधार ऑपरेटर
ऑनबोर्डिंग हेतु आवेदन आमंत्रित

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़, 12 मार्च। जिला स्तरीय आधार नामांकन समिति के सचिव एवं उपनिदेशक सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग प्रवीण जैन ने जानकारी दी कि जिला चित्तौड़गढ़ में 269 स्थानों पर CELC आधार नामांकन/अद्यतन केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों पर आधार नामांकन एवं अद्यतन कार्य करने हेतु रजिस्ट्रार सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के अधीन प्रत्येक चिन्हित केन्द्र पर एक ऑपरेटर को UIDAI, नई दिल्ली से आधार कार्य हेतु आईडी/क्रिडेंशियल जारी की जाएगी।

आधार केन्द्र के लिए चयनित होने पर आवेदकों को 50 हजार रुपये की पेनल्टी सिक्योरिटी राशि और 15 हजार रुपये की किट सिक्योरिटी राशि, कुल 65 हजार रुपये राजकॉम्प के खाते में जमा करनी होगी। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की प्रोग्रामर एवं जिला स्तरीय आधार नामांकन समिति की सदस्य रेखा बुकण ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि जो भी पात्र व्यक्ति आधार नामांकन ऑपरेटर के रूप में कार्य करने के इच्छुक हैं, वे 17 मार्च 2025 से 27 मार्च 2025 तक G2C में RAJAADHAAR PORTAL के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदनकर्ता को सभी दस्तावेज स्वयं सत्यापित करके अपलोड करने होंगे और आवेदन में वही मोबाइल नंबर लिखना होगा जो आवेदक के ई-आधार में अंकित हो। चिन्हित परिसरों और अधिक जानकारी के लिए राज्य आधार पोर्टल https://aadhaar.rajasthan.gov.in पर देखें।

मध्यप्रदेश के नीमच से भीलवाड़ा पहुंची आग, 100 हैक्टेयर में जल गए पौधे



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ाः जिले के मांडलगढ़ क्षेत्र का वन क्षेत्र पड़ोसी मध्यप्रदेश के नीमच जिले की सीमा से जुड़ा है. दोनों राज्यों की सरहद के जंगल में भीषण आग लग गई है. 100 हेक्टेयर वन भूमि में पेड़ पौधे जल गए. वन विभाग की टीम आग पर काबू पाने में जुटी है. आग लगने की वजह पता नहीं लगी है. भीलवाड़ा के डीएफओ गौरव गर्ग ने कहा कि आग से नुकसान के आंकलन के लिए पांच सदस्यीय समिति बनाई है. समिति की रिपोर्ट के बाद अधिक नुकसान वाले इलाके में अधिकाधिक पौधे लगाएंगे.

दो दिन पहले लगी आग : मध्यप्रदेश के नीमच क्षेत्र के जंगलों में दो दिन पहले आग लगी थी, जो धीरे-धीरे मंगलवार रात भीलवाड़ा जिले के जंगलों में प्रवेश कर गई. इसके बाद भीलवाड़ा वन विभाग मध्यप्रदेश के वन अधिकारियों से संपर्क कर आग पर काबू पाने का फीडबैक ले रहे हैं. अग्निशमन यंत्र के साथ ही वन कर्मचारी आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं.

हवा के कारण फैली : भीलवाड़ा डीएफओ गर्ग ने कहा कि आग अज्ञात कारण से लगी. आग हवा के कारण धीरे-धीरे जिले के मांडलगढ़ के बिजौलिया क्षेत्र के जंगल में फैल गई. बिजौलिया क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को देखें तो वहां पत्थरनुमा क्षेत्र है. जमीन पर मिट्टी की परत कम होने के कारण घास ज्यादा है. अभी गर्मी में घास सूखी होने के कारण आग की आशंका ज्यादा रहती है. आग लगने के कारण की भी जांच कर रहे हैं. हम मध्यप्रदेश से कोऑर्डिनेट कर अग्निक्षमन से आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं. ग्रामीण वन विभाग समिति के वालंटियर भी मदद कर रहे हैं.

नुकसान का आंकलनः गर्ग ने बताया कि सेकंड लाइन में लक्ष्मण रेखा खींचकर आग आगे नहीं बढ़े, उस दिशा में भी काम कर रहे हैं ताकि वन्यजीव और लोगों को नुकसान नहीं पहुंचे. जिले के 100 हेक्टेयर वन क्षेत्र में आग लगी है. धीरे-धीरे आग पर काबू पा रहे हैं. आग से नुकसान के आंकलन के लिए समिति में सहायक वन संरक्षक, रेंजर ऑफिसर व तीन फील्ड सदस्य शामिल हैं. आगामी वर्ष में नुकसान वाले क्षेत्र में ज्यादा पौधारोपण किया जाएगा.

बेस्ट ट्यूरिज्म विलेज प्रतियोगिताः ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने का प्रयास

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़, 12 मार्च। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा बेस्ट टूरिज्म विलेज 2025 प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य देशभर में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देना है, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन और स्थानीय लोगों को पर्यटन एवं पर्यटकों के प्रति जागरूक करना भी है।

गत वर्ष 2023 और 2024 में भी ऐसी ही प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं, जिनमें राजस्थान के उदयपुर जिले का मेनार, धौलपुर का नौरंगाबाद गांव और ब्यावर जिले का देवमाली पुरस्कृत हुए थे।

इस वर्ष भी यह प्रतियोगिता पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में वे गांव भाग ले सकते हैं, जिनकी आबादी पंद्रह हजार से कम है और जहां पर्यटकों का आवागमन होता है, ऐतिहासिक धरोहर, हस्तकला, लोककला, धार्मिक स्थल जैसे तत्व प्रमुख रूप से मौजूद हैं। चयन प्रक्रिया में गांव की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत, उसे सहेजने के प्रयास, कनेक्टिविटी, विशिष्ट कला और पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयासों को ध्यान में रखा जाएगा।

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आवेदन पर्यटन मंत्रालय की वेबसाइट https://onlinetracker.tourism.gov.in/BTA/View/Default.aspx पर 15 मार्च तक किए जा सकते हैं। आवेदन स्थानीय ग्राम पंचायत, पंचायत समिति या वहां कार्यरत एनजीओ द्वारा किए जा सकते हैं।

सहायक निदेशक, पर्यटन विवेक जोशी ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की कला, संस्कृति, विरासत और ऐतिहासिक धरोहर को पर्यटकों के समक्ष लाना है। विजेता गांव के लिए पर्यटन मंत्रालय विशेष विकास योजनाएं तैयार करेगा ताकि वह अधिक पर्यटकों को आकर्षित कर सके।

पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग का नवाचार, ई- स्टाम्प सर्टिफिकेट के प्रति जागरूकता के लिए पहल, पोस्टर का विमोचन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 12 मार्च। ई-स्टाम्प के विभिन्न सुरक्षा मानकों के प्रति आम जनता के बीच व्यापक जागरूकता लाने के उद्देय से पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग ने नवाचार किया। डीआईजी स्टाम्प उदयपुर श्री राजीव द्विवेदी जी ने उप पंजीयक कार्यालय में रजिस्ट्री एवं अन्य प्रयोजनों के लिए ई-स्टाम्प खरीदने वाले नागरिकों को जागरूक करते हुए पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग कहता है, अपने ईस्टाम्प सर्टिफिकेट को जानें नवाचार का उद्घाटन किया।

पोस्टर का विमोचन का करते हुए डीआईजी स्टॉम्प श्री द्विवेदी ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य आम जनता के बीच पारदर्शिता सुनिश्चित करना और ई-स्टांप के उपयोग के दौरान ई-स्टांप की प्रामाणिकता और इसके विभिन्न सुरक्षा मानकों की जांच करने के लिए सभी को शिक्षित करना है। उन्होंने कहा कि अपनी संपत्तियों के पंजीकरण के लिए आने वाले आम जनता को ई-स्टाम्पिंग मोबाइल ऐप के माध्यम से ई-स्टाम्प पेपर में मौजूद 2डी बार कोड को स्कैन कर, ई-स्टांप की प्रामाणिकता की जांच करनी चाहिए। साथ ही बदलते डिजिटल युग में आम आदमी द्वारा ई-स्टाम्प खरीदते समय किसी भी तरह की धोखाधड़ी से बचने के लिए उसमें मौजूद सभी सुरक्षा मानकों की जांच करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि जानकार बनिए, सतर्क रहिए।

उन्होंने ई-स्टाम्प के विभिन्न सुरक्षा मानकों जैसे माइक्रो प्रिंट, तीन स्थानों पर वटरमार्क में स्टाम्प ड्यूटी, टेक्स्ट थ्रेड में भुगतान की गई स्टाम्प ड्यूटी, टेक्स्ट थ्रेड में दिनांक समय, टू डी बार कोड, असममित क्रम में प्रमाणपत्र संख्या और टेक्स्ट रिबन में एसएचसीआईएल के बारे में जानकारी दी।

द्विवेदी ने कहा कि पंजीयन विभाग और स्टकहोल्डिंग के नवाचार के माध्यम से हमारा मुख्य उद्देश्य उदयपुर, सलूम्बर, राजसमंद और इसके आसपास के क्षेत्र के लोगों में ई-स्टाम्प के मौजूदा सुरक्षा मानकों के प्रति व्यापक जागरूकता लाना है। कार्यक्रम में सब रजिस्ट्रार भागीरथ, सज्जन, कविता, स्टकहोल्डिंग की ओर से ई-स्टाम्पिंग एरिया मैनेजर पवन रुनवाल, शाखा प्रबंधक मोहित राजपाल, स्टाम्प विक्रेता रविन्द्र, ए.सी.सी. और अधिवक्ता गण मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव 'उड़ान' का भव्य आयोजन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सेक्टर 4 स्थित लिटिल विंग्स प्ले स्कूल का वार्षिकोत्सव 'उड़ान' का आयोजन गार्डन गजबान, सेक्टर 3, उदयपुर में किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल शिव सिंह सारंगदेवोत कुलपति, राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड विश्वविद्यालय एवं अध्यक्ष, बी.एन. विश्वविद्यालय, उदयपुर, विशिष्ट अतिथि डॉ. मनन सरूप्रिया डीएनबी कंसल्टेंट, रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट, निदेशक - ऑन्को डिपार्टमेंट, जीबीएच जनरल एंड कैंसर मेमोरियल हॉस्पिटल, बेड़वास, उदयपुर एवं प्रो. रेणु राठौड़ डीन फैकल्टी ऑफ साइंस, बी.एन. विश्वविद्यालय एवं प्राचार्य, बी.एन. पी.जी. कॉलेज, उदयपुर थे । अतिथि आर.सी. जोशी ,डॉ. देवेश गुप्ता , डॉ. वंदना अग्रवाल , डॉ. सुनीता आचार्य डॉ. ममता राजवंशी , पंकज पचोली , गोपेश शर्मा ,राहुल जोशी थे।

वृक्षम अमृतम सेवा संस्थान के अध्यक्ष गोपेश शर्मा ने सभी अतिथियों को पौधे भेंटकर सम्मान किया। और पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं मां सरस्वती की वंदना से कार्यक्रम शुभारंभ किया। प्रधानाचार्या एवं निदेशिका मीनाक्षी जोशी ने सभी अतिथियों व अभिभावकों का स्वागत किया। बालको द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों ने सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन भव्या एवं रुद्राक्ष जोशी ने किया। सभी अतिथियों द्वारा विद्यालय की उपलब्धियों की सराहना की गई एवं सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

डूंगरपुर जिले में होली की अनूठी परंपराएंः कही दहकते अंगारों पर चलते...कहीं एक दूसरे पर बरसाते पत्थर



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुरः वागड़ में होली महत्वपूर्ण त्योहार है. वागड़वासी एक माह होली के रंग में रंगे रहते हैं. इस दौरान सदियों पुरानी खास परंपराएं निभाते हैं. जिले के कोकापुर गांव में दहकते अंगारों पर चलने की अनूठी परंपरा है. वहीं भीलूड़ा में पत्थर मार खूनी होली खेली जाती है. कई लोग पत्थरों की चोट से घायल भी होते हैं. देवल व जेठाना गांव में गेर खेलने की अलग ही परंपरा है.

जानकारों के अनुसार, आदिवासी बहुल डूंगरपुर जिले में होली पर पत्थरमार, धधकते अंगारों पर चलने की अनूठी परंपराओं के पीछे विभिन्न मान्यताएं हैं. लोग मानते हैं कि पुरखों की परंपराओं से गांव में खुशहाली आती है. लोग निरोगी रहते हैं. यही वजह है कि स्थानीय लोग होली की इन जोखिमभरी परंपराओं को भी भाईचारे से मनाते हैं. गारों पर चहलकदमीः दहकते अंगारों पर चहलकदमी सुनकर आश्चर्य होगा, लेकिन जिले के कोकापुर में जलती होलिका पर चलने की परंपरा है. पवित्रा जोशी बताती हैं कि सैकड़ो लोगों की मौजूदगी में होलिका दहन के दूसरे दिन अलसुबह कई लोग होलिका स्थल पहुचंते है. वहां होली के दहकते अंगारों पर नंगे पांव चलते हैं. वे लोक परंपराओं का निर्वहन कर उत्सवी श्रद्धा का इजहार करते हैं. मान्यता है कि ऐसा करने से गांव पर विपदा नहीं आती. लोगों की सेहत ठीक रहती है. इसे देखने आसपास के गांवों से हजारों लोग आते हैं. हजारों साल की पुरानी परंपरा में अभी तक कोई अनहोनी नहीं हुई.

खतरनाक पत्थरमार होलीः जिले के भीलूड़ा में 200 साल से धुलंडी पर खूनी होली खेलने की परंपरा है. लक्ष्मण पंचाल बताते हैं कि देशभर में यही एकमात्र क्षेत्र है जहां बरसाने की लट्ठमार होली से खतरनाक पत्थरमार होली खेली जाती है. होली पर रंगों की जगह पत्थर बरसाए जाते हैं. खून बहने को शगुन मानते हैं. स्थानीय बोली में पत्थरों की राड़ कहते हैं. इसमें भीलूड़ा व आसपास के गांवों से लगभग 400 लोग प्रतिभागी के रूप में स्थानीय रघुनाथ मंदिर परिसर में जुटते हैं. जैसे ही खेल शुरू होता है, वैसे ही हाथों में पत्थर, गोफन और ढाल लिए लोग दो टोलियों में बंट जाते हैं.

चीत्कार लगाते पथरावः होरिया के चीत्कार लगाते हुए एक-दूसरे पर पत्थर बरसाते हैं. पत्थरों की बारिश और बचाव करते दोनों पक्षों को देखकर करीब एक वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में हजारों दर्शक सुरक्षित जगह जुटते हैं. दूर-दूर से आमने-सामने पत्थर फेंकते दोनों समूहों के प्रतिभागियों के पास कुछ ढालें होती हैं, जो प्रतिपक्ष से आने वाले पत्थरों की बौछारों को रोकती हैं.

भीण्डर में दिव्यांगजन अंग-उपकरण वितरण शिविर 26 को

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 12 मार्च। राज्य सरकार की बजट घोषणा की अनुपालना के क्रम में जिला कलक्टर नमित मेहता के निर्देान में 26 मार्च को भीण्डर में दिव्यांगजन अंग उपकरण वितरण शिविर आयोजित किया जाएगा।

जिला कलक्टर ने बताया कि पंचायत समिति परिसर भीण्डर में प्रस्तावित शिविर 1 में श्री भगवान महावीर दिव्यांग सहायता समिति के सहयोग से दिव्यांगजन को अंग उपकरण वितरित किए जाएंगे। शिवि के लिए उपखण्ड अधिकारी भीण्डर को प्रभारी अधिकारी नियुक्त करते हुए पंचायत समिति, शिक्षा विभाग, चिकित्सा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, रोडवेज तथा पुलिस विभाग के अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सनातन आस्था पर चोट स्वीकार नहीं - अखिल भारतीय साहित्य परिषद/ सनातन आस्था के महापर्व महाकुंभ पर अशोभनीय बयान देने वालों के खिलाफ हो कड़ी कार्यवाही- साहित्य परिषद



24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेडा।अखिल भारतीय साहित्य परिषद राजस्थान इकाई निंबाहेड़ा ने सनातन आस्था के महापर्व महाकुंभ पर अशोभनीय टिप्पणी करने वाले राजनेताओं के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही करने का अनुरोध किया। इस संबंध में अखिल भारतीय साहित्य परिषद ने संपूर्ण देश में अपनी इकाइयों के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम यह ज्ञापन भिजवाया गया। इसी क्रम में आज अखिल भारतीय साहित्य परिषद राजस्थान इकाई निंबाहेड़ा में इकाई अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी के नेतृत्व में एक ज्ञापन उपखंड अधिकारी निंबाहेड़ा विकास पंचोली को सौंपा। ज्ञापन देने में परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष श्रीपाल सिंह सिसोदिया, प्रांतीय कोषाध्यक्ष पंकज सरकार, इकाई उपाध्यक्ष प्रहलाद क्रांति, जिला कोषाध्यक्ष घनश्याम तोसावड़ा, उपाध्यक्ष बालमुकुंद प्रधान, महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष श्यामा सोलंकी, महिला प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष तृप्ति कुमावत, पुष्कर सोनी, जय किशन गगरानी, अधिवक्ता रतनलाल राजोरा उपस्थित रहे।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।